ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
कृषि अनुसंधान केन्द्र
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
बीकानेर – 334006
Phone 0151 2250018, 0151 2250570
Email: arsagrometbikaner@gmail.com

उत्तमा वृत्तिस्तु कृषिकर्मैव

क्रमांकः एफ/एग्रो/एग्रोमेट./25 दिनांकः **18.07.2025**

जिलाः– **बीकानेर**

मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह

अवधि 18 जुलाई 2025 से 22 जुलाई 2025 तक

गत सप्ताह के मौसम की समीक्षाः इस दौरान अधिकतम तापमान 29.0 से 36.4 °C एवं न्यूनतम तापमान 23.8 से 26.0 °C के मध्य रहा। इस दौरान धीमी गति की हवायें चली एवं आपेक्षिक आर्द्रता 70 से 92% रही ।

आगामी सप्ताह की मौसम भविष्यवाणीः भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली एवं राज्य मौसम केन्द्र, जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर बीकानेर जिले में आगामी 5दिनों के दौरान (18.07.2025 से 22.07.2025) 18.07.2025 से 19.07.2025 व 22.07.2025 को पूर्णाच्छादित छाए रहने, 20.07.2025 को आंशिक बादल छाए रहने, 22.07.2025 को घने बादल छाए रहने, न्यूनतम तापमान 26.0-28.0°C और अधिकतम तापमान 33.0-36.0°C के मध्य रहने की संभावना है। इस दौरान दधिणी दधिणी पधिमी, दधिणी पधिमी और पधिमी दधिणी पधिमी दिशा से तेज गति की हवायें बहुत कम सापेक्ष आर्द्रता के साथ चलने की संभावना है।

मौसम कारक	दिनांक				
	18.07.2025	19.07.2025	20.07.2025	21.07.2025	22.07.2025
वर्षा) एम.एम. (	**2**	**2**	**0**	**0**	**2**
आसमान में बादलो की स्थिति	पूर्णाच्छादित	पूर्णाच्छादित	आंशिक बादल	घने बादल	पूर्णाच्छादित
अधिकतम तापमान ° C)	**33**	**36**	**35**	**34**	**33**
न्यूनतम तापमान (° C)	**26**	**27**	**28**	**28**	**27**
वायु दिशा	पधिमी दधिणी पधिमी	पधिमी दधिणी पधिमी	दधिणी पधिमी	दधिणी पधिमी	दधिणी दधिणी पधिमी
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**38**	**37**	**32**	**39**	**52**
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**65**	**61**	**51**	**56**	**64**
औसत वायु गति {कि./घण्टा}	**11**	**17**	**24**	**32**	**32**
वर्षा) एम.एम. (	**06.00**				

कृषकों के लिए कृषि सलाह (Agro Advisory): गत सप्ताह की मौसम समीक्षा एवं इस सप्तक के लिए मौसम पूर्वानुमान के आधार पर किसान भाइयों को निम्न सलाह दी जाती है ।

विशेष सलाह आने वाले दिनों में ओलावृष्टि के साथ बारिश/ झौंकेदार तेज हवाएं चलने/बिजली गिरने की संभावना है। कृषि मंडियों में खुले में रखे हुए अनाज व जिंसो का सुरक्षित स्थान पर भण्डारण करें ताकि उन्हें भीगने से बचाया जा सके । मेघगर्जन व आकाशीय बिजली चमकने के दौरान पेड़, खम्भों व पानी के स्रोतों से दूर रहें व सुरक्षित जगह पर शरण लेवें। भविष्य के लिए पानी और नमी की हर बूंद का संरक्षण करें। क्षारीय वाले खेतो मे मानसून की वर्षा शुरू होने से पहले गहरी जुताई करके जिप्सम या सड़ी हुई गोबर की खाद डालकर रखे ।

फसल	अवस्था	विवरण	कृषि सलाह
मूंगफली	शाखाएँ निकलना	पीलेपन का उपचार	मूंगफली की खड़ी फसल में पीलेपन के लक्षण दिखाई देने पर 0.5 प्रतिशत फेरस सल्फेट 01 प्रतिशत साइट्रिक अम्ल का छिड़काव करे।
		खरपतवार नियंत्रण	मूंगफली की फसल में खरपतवार होने पर बुवाई के 30-40 दिन बाद या प्रथम सिंचाई के बाद या वर्षा के बाद एक निराई - गुड़ाई आवश्यक रूप से करें ।घास कुल के खरपतवारों के नियंत्रण के लिए खड़ी फसल में बुवाई के 20-25 दिन बाद क्यूजोलफॉस ईथाइल 5 प्रतिशत ई. सी. की 1000 मि.ली. दवा प्रति हेक्टेयर की दर से 500 ली. पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
मूंग	बुवाई की तैयारी	बुवाई का समय, बीज दर, एवं किस्में	मूंग की बुवाई के लिए उचित समय है इसके लिए एस.एम.एल -668, एमएच-421, एमएच-1142, वर्षा (आईपीएम 2के14-9), शिखा (आईपीएम 410-3), आर.एम.जी.-62, आर.एम.जी.-268 व आर.एम.जी.-492 किस्मे अच्छी है, बुवाई के लिए 4 किलो बीज/बीघा की दर से बोएं।
बाजरा	बुवाई	खेत की तैयारी, बुवाई	मानसून की बारिश होने पर बाजरे की बुवाई का समय। उन्नत किस्मों जैसे MPMH 17, RHB 177, RHB 173, HHB 67(i), ICMH 356 आदि के बीजों की व्यवस्था करें।
ग्वार, तिल एवं मोठ	बुवाई	किस्में एवं बीज दर	खरीफ फसलों की बुवाई के लिए ग्वार की एच.जी.-75, आर,जी,सी.-936, आरजीआर-12-1, आरजीआर-18-1 आर,जी,सी.-197, आर,जी,सी.-986, आर,जी,सी.-1017, आर,जी,सी.-1002, आर,जी,सी.-1003; तिल की आर.टी. – 46, आर.टी. – 125, आर.टी. – 127, आर.टी. – 346, आर.टी. – 351; और मोठ की आर.एम.ओ.-257, आर.एम.ओ.-225, आर.एम.ओ.-435, आर.एम.ओ.-423, आर.एम.ओ.-40 व आर.एम.ओ.-2251 किस्में क्षेत्र के लिए उपयुक्त है। मोठ के लिए 3 किलो बीज /बीघा; तिल के लिए आधा किलो बीज/बीघा तथा शाखा युक्त ग्वार के लिए 4 किलो बीज /बीघा व एकल शाखा युक्त ग्वार के लिए 6 किलो बीज /बीघा का प्रयोग करें।
कद्दूवर्गीय सब्जियों	फलन	फलों की तुडाई	ग्रीष्मकालीन कुष्माण्ड कुल की सब्जियों तथा तरबूज व खरबूज के फलों की तुडाई फलों के पकने पर ही करें । फल के पास के डण्ठल का सूखना, बजाने पर डल आवाज आना, फल के रंग में परिवर्तन होना फलों के पकने का संकेत है । पानी देने के तुरन्त बाद (12-24 घन्टे) कच्चे फल न तोडे क्योकि कच्चे फल तोड़ने के बाद में पकते नहीं है।
ज्वार	पहली कटाई	ज्वार की विषाक्तता कम करें	देरी से बुआई की गई ज्वार में जहरीला पदार्थ धुरिन हो सकता है जो पशुओं के लिए हानिकारक है अतः 2-3 पानी लगाने या अच्छी वर्षा के तुरंत बाद ही पशुओं को खिलाने के लिए काटें।
पशुधन		खाद्य, पोषक प्रबंधन एंव स्वास्थ्य	शुष्क क्षेत्रों में गर्मियों में हरे चारे की कमी हो जाती है, अतः पंजीकृत पशु चिकित्सक की सलाह से प्रोटीन युक्त, उच्च पोषण वाली यूरिया – मोलसेज ईंटों का निर्माण करके पशुओं को खिलाएँ ।

सह–आचार्य एवं तकनीकी अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

क्षेत्रीय अनुसन्धान निदेशक एवं
नोडल ऑफिसर – ग्रामीण कृषि मौसम सेवा